सहे तो सहे कैसे दु:ख इतने

सहे तो सहे कैसे दु:ख इतने,
कहे तो कहे किस से गम अपने,

आखिरी है दर तेरा सोच के मैं आयी हु,
दु:ख दर्द के सिवा कुछ भी न लाइ हु,
अंसुवन की केवल लगी है झड़ी,
सिर पे मुसीबत पड़ी है बड़ी,
सहे तो सहे कैसे दु:ख इतने,

किया था भरोसा मैंने तेरी दुनिया दारी पे,
हस्ता है हर कोई मेरी लाचारी पे,
गिरते हुए को और गिराया खेल तो घटका समज ना आया,
सहे तो सहे कैसे दु:ख इतने

कहते है लोग तुझे हारे का सहारा है,
नज़रे उठा के देखो श्याम तिहारा है,
अब फैंसला तुम ही करो ठुकरा दो या फिर बाहो में धरो,
सहे तो सहे कैसे दु:ख इतने

Source: https://www.bharattemples.com/sahe-to-sahe-kaise-dukh-itne/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw